मार्जिन घटने के बाद भी चीनी निर्यात मीठा सौदा

[जयश्री भोसले *पुणे*]

रुपए में मजबूती और अन्य कारणों ने चीनी निर्यात में मार्जिन कम कर दिया है। इसके बावजूद मिलें खुश हैं क्योंकि निर्यात कम से कम उन्हें इतनी रकम दे रहा है, जिससे वो गन्ने के लिए किसानों को भुगतान कर पा रही हैं। इसके साथ ही निर्यात के रास्ते सरप्लस स्टॉक भी निकाला जा रहा है। इंडस्ट्री अब सरकार से 10 लाख टन की अगली खेप के निर्यात की मंजूरी चाहती है।

रुपया मजबूत होने और चीनी की मांग घटने की वजह से मिलों को अपना निर्यात कोटा बेचने से होने वाली कमाई आधी रह गई है। पिछली बार ओपन जनरल लाइसेंस (ओजीएल) एक्सपोर्ट के तीन राउंड में मिलों का अधिकतम रियलाइजेशन 8-9 रुपए किलोग्राम का रहा था। हालांकि, ओजीएल एक्सपोर्ट के मौजूदा पहले राउंड में मिलों की कमाई गिरकर 2-2.5 रुपए किलोग्राम रह गई है। यह पिछले साल तीसरे राउंड की लाइसेंस फीस का आधा है।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के डायरेक्टर जनरल अभिनव वर्मा ने कहा, 'चीनी निर्यात के लिए जिस कीमत पर लाइसेंस दिया जाता है, उसके 2 रुपए तक गिर जाने के बावजूद उद्योग के लिए निर्यात फायदेमंद है। मिलों को घरेलू मार्केट में रियलाइजेशन से 2,000 रुपए प्रति टन ऊपर कीमत मिल रही है।'

चीनी निर्यात में मुनाफा

निर्यात से मिलों को गन्ने के भुगतान के लिए रकम मिल रही है। वहीं, इससे वो पुराना स्टॉक भी बाहर निकाल पा रहे हैं

चीनी मिलें इसी बात से खुश हैं कि कम से कम वो स्टॉक निकाल पा रही हैं। मालेगांव एसएसके, बारामती के मैनेजिंग डायरेक्टर सुरेश तवारे ने कहा, 'घरेलू बाजार में मौजूदा कीमत 27 रुपए प्रति किलोग्राम है, जबकि हमें चीनी निर्यात करने से 28-28.50 रुपए किलोग्राम का भाव मिल रहा है। गन्ने के भुगतान के लिए निर्यात से हमें नकदी मिल रही है और सरप्लस स्टॉक रखने का खर्च भी नहीं हो रहा।' उद्योग निर्यात के साथ खुश है और इसी वजह से इसकी अगली खेप के लिए मंजूरी मांगी गई है। वर्मा ने कहा, 'हम चाहते हैं कि सरकार अगले 10 दिन में और 10 लाख टन चीनी निर्यात की मंजूरी दे। हमने 2006-07 और 2007-08 में 70 लाख टन चीनी का निर्यात किया था, तब अंतरराष्ट्रीय कीमतें अच्छी नहीं थीं।'

सरकार ने 2011-12 में अब तक 10 लाख टन चीनी निर्यात की इजाजत दी है। 2010-11 में 15 लाख टन चीनी का निर्यात किया गया था। रिलीज ऑर्डर के लिए आवेदन की आखिरी तारीख एक महीना बढ़ाकर 16 फरवरी कर दी गई है। 5.5 लाख टन चीनी के लिए रिलीज ऑर्डर दिए जा चुके हैं। ऐसा माना जा रहा है कि मिलों ने पहले ही 2.5 लाख टन चीनी निर्यात के लिए सौदे कर लिए हैं लेकिन इसके लिए रिलीज ऑर्डर का आवेदन अभी नहीं किया गया है।